

आज का पुरुषार्थ, 10 April 2022

From: BK Suraj bhai

Website: www.shivbabas.org

धारणा – "आज स्वयं को सर्व शक्तियों से सजे हुए अनुभव करे "

कितना सुन्दर रहस्ययुक्त बाबा का महावाक्य है कि ... " यदि तुम **अचल स्थिति** के आसन पर बैठे रहोगे तो स्वर्ग में सिंहासन प्राप्त हो जायेगा "

स्वराज्य अधिकारी ही विश्वराज्य अधिकारी बनते है। स्वराज्य अधिकारी आत्मायें विश्वराज्य अधिकारी बन जाते है। और जो चारों ही सबजेक्ट में फुल मार्क्स लेते है वो कई बार विश्व के राज्य अधिकार प्राप्त करते है।

तो हमें अपनी स्थिति को **चारों सबजेक्ट** के बल से अचल अडोल बनाना है। हमें बाबा का यह भी सीक्रेट महावाक्य याद रखना चाहिए कि

" यदि तुम अचल अडोल स्थिति के सिंहासन पर बैठे रहो तो सारी समस्यायें इस सिंहासन के नीचे दब कर नष्ट हो जायेगी "

क्योंकि अचल अडोल स्थिति में रहने से हम बहुत **पावरफूल** बन जाते हैं और **निरसंकल्प** भी। हमारे **शक्तिशाली वायब्रेशन्स** सभी समस्याओं को नष्ट कर देते हैं।

तो विभिन्न परिस्थितियों में, गृहस्थ में रहते हुए, अनेक बातें सुनते हुए, अनेक समस्याओं को फेस करते हुए, अपने शारीरिक बीमारियों को भी फेस करते हुए, विभिन्न संस्कार वाले मनुष्यों के साथ रहते हुए हमें अपनी **स्थिति को अचल बनाना है।**

बहुत बड़ा सबजेक्ट है। अनेक बातें सभी के सामने आती हैं। मान-अपमान सहन करना पड़ता है, **सुख-दुःख** भी जीवन में बहुत आते हैं। सफलता-असफलता भी मार्ग रोकती है। हार-जीत, सर्दी-गर्मी यह भी बांधाये उत्पन्न करती है।

परन्तु यदि हम " **मास्टर सर्वशक्तिमान** " के स्वमान में रहे, यदि हम ज्ञान चिन्तन में मगन रहे, तो हमें ज्ञान का वल प्राप्त होता रहेगा। और यह ज्ञान का वल हमें विभिन्न स्थानों पर अचल रहने में बहुत मदद करेगा।

यूँ तो सर्व प्रथम हमें योग का वल चाहिए। योग का वल होने से जब हम स्वमान में स्थित होते हैं, तो हमारी स्थिति बहुत सुन्दर हो जाती है। अन्यथा केवल **स्वमान का अभ्यास** करने से मनुष्य अपने को बहुत शक्तिशाली और सफल मेहसूस नहीं कर पाते हैं।

तो योग वल पहली बात होनी चाहिए। चार घन्टे रोज योग करने वालों में ईश्वरीय शक्ति रहती है। योग का वल रहता है। जो **6 घन्टे योग** करते हैं उनकी सकाश संसार को मिलती रहती है।

और जो **आठ घन्टे** या इससे ज्यादा करते हैं वो तो इस संसार के लिए लाइट हाउस माइट हाउस हैं। वो तो **मास्टर ज्ञान सूर्य** हैं। उनके प्रकाश से, उनके शक्तिशाली वायब्रेशन्स के जरिये माया के जर्मस नष्ट हो जाते हैं।

तो योग का वल भी चाहिए। लेकिन आपके पास ज्ञान की कुछ प्वाइंट्स रखा करे, जो हमें अचल **अडोल स्थिति** बनाने में बहुत बड़ी भूमिका निभा सके। जैसे

" मुझे छोटी छोटी बातों को माइण्ड नहीं करना है, मुझे छोटी छोटी बातों से परेशान नहीं होना है, कुछ भी हो जाये मुझे अपनी स्थिति को डिस्टर्ब नहीं करना है "

ऐसे सुन्दर थाट भी हमें बहुत मजबूत बनाते है। अन्यथा कभी कभी मनुष्य इतना सेन्सिटीव हो जाता है कि उसकी हर छोटी बात मनुष्य को प्रभावित करने लगती है। और तब उसके लिए अचल अडोल रहना बहुत दूर की बात लगती है।

तो आईये, आज हम अभ्यास करेंगे ... " मेरा पुज्य स्वरूप, महाविष्णु स्वरूप .. शेषशय्या पर विराजमान .. पाँचो विकार छत्रछाया बन हुए .. चारों ओर लहरे और तुफान "

" लेकिन जो अचल अडोल बन गये .. जो गीता ज्ञान में मगन है .. और धन लक्ष्मी जिनके साथ में है "

यह है हमारी स्थिति। अपने इस स्वरूप को बार-बार विजुयालाइज करे और संकल्प देते चले ...

" यह मैं हूँ .. यह मेरा ही स्थिति है "

तो अपने पुज्य स्वरूप का बहुत नशा आज रखेंगे। बहुत सुन्दर इसकी अनुभूति करेंगे। और साथ में बीच बीच में अभ्यास करेंगे ..

" मैं आत्मा .. परमधाम में सर्वशक्तिमान के साथ हूँ "

॥ ओम शान्ति ॥

BK Google: www.bkgoogle.org

Website: www.shivbabas.org